लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: दैनिक भास्कर
दिनांक: 1.5.2020 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 1-2

एचएयू वीसी प्रो.केपी सिंह बने भारतीय कृषि अनुसंधान समिति के सदस्य

भास्कर न्यूज | हिसार

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष की अध्यक्षता में भारतीय

कृषि अनुसंधान की आठ सदस्यीय समिति का पुनर्गठन किया गया। इसमें एचएयू हिसार के कुलपति प्रो. केपी सिंह को भारतीय कृषि अनुसंधान समिति का सदस्य बनाया गया है। कुलपति को अन्य वैज्ञानिकों और पदाधिकारियों ने बधाई दी है। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि आठ सदस्यीय समिति में आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा और समिति के सदस्यों में : चेयरमैन एएसआरबी, सचिव आईसीएआर, निदेशक आईएआरआई, संयुक्त सचिव कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग, नई दिल्ली, निदेशक एनएएआरएम, हैदराबाद, प्रो. केपी सिंह कुलपति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व निदेशक विशेष सेवाएं, नई दिल्ली शामिल हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....पंजाब केसरी....
दिनांक..1.5.2020.... पृष्ठ सं....4.... कॉलम....1-2....

हकृवि के कुलपति प्रो. सिंह को बनाया भारतीय कृषि अनुसंधान समिति का सदस्य

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह।

हिसार, 30 अप्रैल (ब्यूरो): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष की अध्यक्षता में भारतीय कृषि अनुसंधान की 8 सदस्यीय समिति का पुनर्गठन किया गया जिसके चेयरमैन आई.सी.ए.आर. के महानिदेशक डा. त्रिलोचन महापात्रा और समिति के सदस्यों में, चेयरमैन ए.एस.आर.बी., सचिव आई.सी.ए.आर., निदेशक आई.ए.आर.आई., संयुक्त सचिव कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग, नई दिल्ली, निदेशक एन.ए.ए.आर.एम., हैदराबाद, हकृवि के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह व निदेशक विशेष सेवाएं, नई दिल्ली शामिल है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष की अध्यक्षता में पुनर्गठित 'कृषि अनुसंधान समिति' का सदस्य बनने का गौरव भारत के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह को प्राप्त हुआ है। ज्ञात रहे कि कृषि अनुसंधान क्षेत्र की यह उच्च स्तरीय समिति है, जिसका मुख्य उद्देश्य 'भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष' के दिशा-निर्देश में भारत के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों के लिए कृषि क्षेत्र में अभिनव (इन्नोवेटिव) योजनाएं लागू करना व करवाना और उनका हर संभव विकास व उत्थान करने से है। यह समिति नए-नए शोध कार्यों व कृषि प्रयोगों को बढ़ावा देने, कृषि कौशल का विकास करने व कृषि की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहेगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....दैनिक ट्रिब्यून....
दिनांक...1.5.2020..... पृष्ठ सं.....5..... कॉलम....1-2....

समिति के सदस्य बने एचएयू के वीसी

हिसार (निस) : 'भारतीय कृषि अनुसंधान समिति' ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएचएयू) के कुलपति प्रो. केपी सिंह को सदस्य मनोनीत किया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्रधान की अध्यक्षता में भारतीय कृषि अनुसंधान की 8 सदस्यीय समिति का पुर्नगठन किया गया। इसमें कुलपति प्रो. केपी सिंह व निदेशक विशेष सेवाएं को नियुक्त किया गया है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष की अध्यक्षता में भारतीय कृषि अनुसंधान की 8 सदस्यीय समिति का पुर्नगठन किया गया। इसमें समिति का चेयरमैन आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा को नियुक्त किया गया, जबकि सदस्यों के तौर पर चैयरमैन एएसआरबी, सचिव आईसीएआर, निदेशक आईएआरआई, संयुक्त सचिव कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग, निदेशक एनएएआरएम हैदराबाद, हकृवि हिसार के कुलपति प्रो. केपी सिंह व निदेशक विशेष सेवाएं को नियुक्त किया गया है। 'कृषि अनुसंधान समिति' का सदस्य बनने का गौरव सीसीएचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह को प्राप्त हुआ है। यह बड़ी उपलब्धि है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय में खुशी का माहौल है और प्रो.केपी सिंह को बधाई दी जा रही है।

प्रो. केपी सिंह।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........ दैनिक जागरण
दिनांक 1 : 5 : 2020 ...... पृष्ठ सं. 3 ...... कॉलम 1

एचएयू के कुलपति बने भारतीय कृषि अनुसंधान समिति के सदस्य

हिसार : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष की अध्यक्षता में भारतीय कृषि अनुसंधान की आठ सदस्यीय समिति का पुनर्गठन किया गया है। जिसके चेयरमैन आइसीएआर के महानिदेशक डा. त्रिलोचन महापात्रा हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के कुलपति प्रो केपी सिंह • विज्ञप्ति

समिति के सदस्यों में चेयरमैन एएसआरबी, सचिव आइसीएआर, निदेशक आइएआरआइ, संयुक्त सचिव कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग, निदेशक एनएएआरएम हैदराबाद, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह व निदेशक विशेष सेवाएं नई दिल्ली शामिल हैं। एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह इस पुनर्गठित कृषि अनुसंधान समिति के सदस्य हैं। जासं

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक भास्कर .....
दिनांक 1.5.2020 ..... पृष्ठ सं. 9 ..... कॉलम 2-3

हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह को बनाया भारतीय कृषि अनुसंधान समिति का सदस्य

हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्रधान की अध्यक्षता में भारतीय कृषि अनुसंधान की आठ सदस्यीय समिति का पुर्नगठन किया गया। जिसके चैयरमैन आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा और समिति के सदस्यों में चैयरमैन एएसआरबी, सचिव आईसीएआर, निदेशक आईएआरआई, सयुक्त सचिव कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग, नई दिल्ली, निदेशक एनएएआरएम, हैदराबाद, प्रो. केपी सिंह हकृवि व निदेशक विशेष सेवाएं, नई दिल्ली शामिल है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष की अध्यक्षता में पुर्नगठित समिति का सदस्य बनने का गौरव कुलपति प्रो. केपी सिंह को प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार ने हर्षोउल्लास प्रकट किया। कृषि अनुसंधान क्षेत्र की यह उच्च स्तरीय समिति है। जिसका मुख्य उद्देश्य भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष के दिशा-निर्देश में भारत के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों के लिए कृषि क्षेत्र में अभिनव इन्नोवेटिव योजनाएं लागू करना व करवाना और उनका हर संभव विकास व उत्थान करने से है। यह समिति नए-नए शोध कार्यो व कृषि प्रयोगों को बढ़ावा देने, कृषि कौशल का विकास करने व कृषि की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहेगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........
दिनांक....1.5.2020.... पृष्ठ सं.....5..... कॉलम.....1-2....

एचएयू के कुलपति बने भारतीय कृषि अनुसंधान समिति के सदस्य

हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष की अध्यक्षता में भारतीय कृषि अनुसंधान की आठ सदस्यीय समिति का पुनर्गठन किया गया। इस दौरान एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह को समिति का सदस्य चुना गया। बता दें कि कृषि अनुसंधान क्षेत्र की इस समिति का मुख्य उद्देश्य देश के सभी कृषि विवि के वैज्ञानिकों के लिए कृषि क्षेत्र में अभिनव (इनोवेटिव) योजनाएं लागू करना व करवाना और उनका हर संभव विकास व उत्थान करना करना है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........
दिनांक 30. 4. 2020 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 5-6

हकृवि कुलपति बने कृषि अनुसंधान समिति के सदस्य

हिसार/30 अप्रैल/रिपोर्टर

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने अनुसंधान समिति का पुर्नगठन करते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह को कृषि अनुसंधान समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा और समिति के सदस्यों में चैयरमैन एएसआरबी, सचिव आईसीएआर, निदेशक आईएआरआई, संयुक्त सचिव कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग, नई दिल्ली, निदेशक एनएएआरएम, हैदराबाद, प्रो. केपी सिंह कुलपति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व निदेशक विशेष सेवाएं, नई दिल्ली शामिल हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष की अध्यक्षता में पुर्नगठित 'कृषि अनुसंधान समिति' का सदस्य बनने का गौरव भारत के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह को प्राप्त हुआ है। कृषि अनुसंधान क्षेत्र की यह उच्च स्तरीय समिति है जिसका मुख्य उददेश्य 'भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष' के दिशा-निर्देश में भारत के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों के लिए कृषि क्षेत्र में अभिनव (इनोवेटिव) योजनाएं लागू करना व करवाना और उनका हर संभव विकास व उत्थान करने से है। यह समिति नए-नए शोध कार्यो व कृषि प्रयोगों को बढ़ावा देने, कृषि कौशल का विकास करने व कृषि की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहेगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....सिटी पल्स....
दिनांक 30.4.2020.... पृष्ठ सं....1.... कॉलम....2-4....

हकृवि कुलपति प्रो. सिंह को बनाया गया भारतीय कृषि अनुसंधान समिति का सदस्य

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष की अध्यक्षता में भारतीय कृषि अनुसंधान की आठ सदस्यीय समिति का पुर्नगठन किया गया जिसके चैयरमैन आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा और समिति के सदस्यों में : चैयरमैन एएसआरबी, सचिव आईसीएआर, निदेशक आईएआरआई, सयुक्त सचिव कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग, नई दिल्ली, निदेशक एनएएआरएम, हैदराबाद, प्रो. के.पी. सिंह कुलपति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व निदेशक विशेष सेवाएं, नई दिल्ली शामिल है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष की अध्यक्षता में पुर्नगठित 'कृषि अनुसंधान समिति' का सदस्य बनने का गौरव हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह को प्राप्त हुआ है। कृषि अनुसंधान क्षेत्र की यह उच्च स्तरीय समिति है जिसका मुख्य उद्देश्य 'भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष' के दिशा-निर्देश में भारत के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों के लिए कृषि क्षेत्र में अभिनव (इन्नोवेटिव) योजनाएं लागू करना व करवाना और उनका हर संभव विकास व उत्थान करने से है। यह समिति नए-नए शोध कार्यों व कृषि प्रयोगों को बढ़ावा देने, कृषि कौशल का विकास करने व कृषि की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहेगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पाठकपक्ष

दिनांक 30.4.2020 पृष्ठ सं 3 कॉलम 1.3

एचएयू के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह भारतीय कृषि अनुसंधान समिति के सदस्य मनोनीत

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 30 अप्रैल : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष की अध्यक्षता में भारतीय कृषि अनुसंधान की आठ सदस्यीय समिति का पुनर्गठन किया गया जिसके चेयरमैन आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा और समिति के सदस्यों में : चैयरमैन एएसआरबी, सचिव आईसीएआर, निदेशक आईएआरआई, सयुक्त सचिव कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग, नई दिल्ली, निदेशक एनएएआरएम, हैदराबाद, प्रो. के.पी. सिंह कुलपति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व निदेशक विशेष सेवाएं, नई दिल्ली शामिल है। भारतीय कृषि

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह

अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष की अध्यक्षता में पुनर्गठित 'कृषि अनुसंधान समिति' का सदस्य बनने का गौरव भारत के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह को प्राप्त हुआ है जोकि एक महान उपलब्धि है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार ने हर्षोल्लास प्रकट किया और कुलपति को शुभकामनाएं प्रदान की। कृषि अनुसंधान क्षेत्र की यह उच्च स्तरीय समिति है जिसका मुख्य उद्देश्य 'भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष' के दिशा-निर्देश में भारत के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों के लिए कृषि क्षेत्र में अभिनव (इन्नोवेटिव) योजनाएं लागू करना व करवाना और उनका हर संभव विकास व उत्थान करने से है। यह समिति नए-नए शोध कार्यो व कृषि प्रयोगों को बढ़ावा देने, कृषि कौशल का विकास करने व कृषि की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहेगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: नित्य शक्ति टाइम्स
दिनांक: 30.4.2020 पृष्ठ सं.: 4 कॉलम: 5-8

कुलपति प्रो. केपी सिंह बने भारतीय कृषि अनुसंधान समिति के सदस्य

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष की अध्यक्षता में भारतीय कृषि अनुसंधान की आठ सदस्यीय समिति का पुनर्गठन किया गया। समिति के चेयरमैन आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा और समिति के सदस्यों में चेयरमैन एएसआरबी, सचिव आईसीएआर, निदेशक आईएआरआई, संयुक्त सचिव कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग, नई दिल्ली, निदेशक एनएएआरएम, हैदराबाद, प्रो. के.पी. सिंह कुलपति हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व निदेशक विशेष सेवाएं, नई दिल्ली शामिल है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष की अध्यक्षता में पुनर्गठित 'कृषि अनुसंधान समिति' का सदस्य बनने का गौरव भारत के सभी कृषि विश्वविद्यालयों में से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह को प्राप्त हुआ है जोकि एक बड़ी उपलब्धि है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार ने खुशी प्रकट किया और कुलपति शुभकामनाएं दी। कृषि अनुसंधान क्षेत्र की यह उच्च स्तरीय समिति है जिसका मुख्य उद्देश्य 'भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष' के दिशा-निर्देश में भारत के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों के लिए कृषि क्षेत्र में अभिनव (इनोवेटिव) योजनाएं लागू करना व करवाना और उनका हर संभव विकास व उत्थान करने में है। यह समिति नए-नए शोध कार्यों व कृषि प्रयोगों को बढ़ावा देने, कृषि कौशल का विकास करने व कृषि की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहेगी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 1.5.2020 पृष्ठ सं 3 कॉलम 5

महंगाई भत्ता रोकने पर शिक्षक संगठन ने सौंपा ज्ञापन

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शिक्षक संगठन हौटा ने कुलपति प्रो. केपी सिंह को ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन सौंपने के बाद हौटा प्रधान डॉ करमल मलिक ने बताया कि उन्होंने सरकार से कहा है कि विश्वविद्यालय के कर्मचारियों व वैज्ञानिकों ने पहले ही अपने वेतन से स्वेच्छा से 10 फीसद धनराशि राहत कोष में जमा कर दी है। इसके बावजूद सरकार द्वारा महंगाई भत्ता एवं एलटीए में कटौती करने का निर्णय स्टॉफ आर्थिक रूप से प्रभावित होगा। इसके साथ ही लॉकडाउन में सरकार ने एक वर्ष तक भर्तियां रोकने का फैसला लिया है।

इसको लेकर उन्होंने कुलपति से अपील की कि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तहत होने वाली भर्तियों को जारी रखा जाए। इन भर्तियों से सरकार पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त भारी नहीं पड़ेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन से हौटा ने मांग की है कि ज्ञापन को मुख्यमंत्री को प्रेषित किया जाए।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 30.4.2020 पृष्ठ सं. 7 कॉलम 1-6

कृषि • यमुनानगर के कम्प्यूटर इंजीनियर ने पिता से खेती-बाड़ी की सीख लेकर खेती शुरू कर तैयार की मल्टीपर्पज फूड प्रोसेसिंग मशीन

मल्टीपर्पज फूड प्रोसेसिंग यूनिट से 12 लाख प्रति माह कमा रहा प्रिंस

▪ एचएयू के एबिक सेंटर में फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने के लिए भी ट्रेनिंग दे रहा

महबूब अली | हिसार

खेतीबाड़ी की तरफ से मुंह मोड़ने वाले लोगों के लिए यमुनानगर का प्रिंस किसी मिसाल से कम कम नहीं है। प्रिंस ने अपने पिता से खेतीबाड़ी की सीख लेकर न सिर्फ खेतीबाड़ी शुरू की बल्कि वर्ष 2013 में मल्टीपर्पज फूड प्रोसेसिंग मशीन तैयार की। जिसके माध्यम से वह जड़ी बूटियों के अलावा विभिन्न उत्पाद एलोवेरा, जूस अदरक, अमरूद जामुन स्ट्रॉबेरी गिलोय के माध्यम सेजूस और हर्बल प्रोडक्ट बना रहा है। जिन्हें देश के देश भर के विभिन्न स्थानों पर सप्लाई किया जाता है। यही नहीं प्रोडक्ट तैयार करने को प्रिंस नेपाल के अलावा काठमांडू, नाइजीरिया, अफ्रीका आदि देश के लोगों को वीडियो कॉल पर प्रशिक्षण देता है। यही नहीं, यमुनानगर में आकर भी प्रिंस से नेपाल, काठमांडू, नाइजीरिया के लोग प्रशिक्षण हासिल कर चुके हैं। प्रिंस के पिता धर्मवीर ने बताया कि उनके पास 2 एकड़ जमीन है। जमीन में उन्होंने मक्का की खेती की हुई है। बताया कि उन्होंने अजमेर में कुछ महिलाओं को हर्बल प्रोडक्ट बनाते एवं बेचते हुए देखा था। वहीं से सीख लेकर उन्होंने तथा उनके बेटे प्रिंस ने हर्बल प्रोडक्ट में कई तरह के जूस बनाने की ठानी। हालांकि प्रिंस कम्प्यूटर इंजीनियर है। इसके लिए प्रिंस ने मल्टीपर्पज फूड प्रोसेसिंग मशीन तैयार की। स्ट्रॉबेरी से लेकर एलोवेरा जूस अदरक, आदि के कई फ्लेवर्ड में जूस भी तैयार कर बेच रहा है। हरियाणा के अलावा यूपी, राजस्थान के भी कई स्थानों पर भी सप्लाई किया जाता है। प्रिंस ने बताया कि वह सोशल मीडिया पर स्थानीय किसानों के अलावा विदेशी किसानों को प्रशिक्षण देता है हर माह 12 लाख से अधिक कमा लेता है। पिता का भी पूरा सहयोग मिलता है। प्रिंस ने कहा कि प्रोफेशनल नोकरी करने के बजाए खेतीबाड़ी में भी करियर बनाया जा सकता है।

प्रोसेसिंग यूनिट के साथ जर्मनी युवती को ट्रेनिंग देते प्रिंस।

सूर्य की धूप से चलने वाला सोलर ट्रे ड्रायर भी कर दिया तैयार

प्रिंस ने बताया कि उसने सूर्य से चलने वाला सोलर ट्रे डायर भी बनाया। जिसके माध्यम से सब्जियों गाजर, शलगम, करेला, भिंडी पालक, धनिया, हल्दी एवं फल खजूर, अंगूर, अनानास, पपीता, सेब, केला आदि बिना धूल माटी लगाए सुखाए जा सकते हैं। सोलर पैनल के अंदर पंखा चलता है, जिसमें तुलसी व अन्य अच्छी क्वालिटी सूखते हैं। सूखने पर इनको पैक कर बाजार में अच्छे दामों पर बेचा जा सकता है।

यहां समानित हो चुके हैं प्रिंस

प्रिंस को जोधपुर के मौलाना आजाद विश्वविद्यालय, हरियाणा की कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी और एचएयू में कई बार सम्मानित किया जा चुका है। प्रिंस ने बताया कि जैविक व अन्य की खेती के लिए पिता धर्मवीर को राष्ट्रपति ने समानित किया था।

यह बोले एचएयू के कुलपति

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह का कहना है कि सेंटर में प्रशिक्षण लेकर किसान अपना स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं। खेतीबाड़ी में नई तकनीक के साथ अच्छी पैदावार की जा सकती है। ऐसे युवा किसानों से भी अन्य किसानों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए।